लोक सभा अध्यक्ष ने बेल्जियम की संसद के लोअर हाउस और सीनेट के अध्यक्षों से मुलाकात की

कैंपः ब्रुसेल्स, 26 जून, 2015 : लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन और उनके नेतृत्व में गए 13 सदस्यीय भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का बेल्जियम की संसद के लोअर हाउस के प्रेसीडेंट महामहिम श्री सेगफ्राइड ब्रैक और बेल्जियम की संसद की सीनेट की प्रेसीडेंट सुश्री क्रिस्टीन डीफ्रेन ने 25 जून, 2015 को आधिकारिक रूप से स्वागत किया । दोनों पक्षों के नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ के घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए भारत-बेल्जियम संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई । बेल्जियम के नेताओं ने भारत से आग्रह किया कि वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ब्रुसेल्स की आगामी यात्रा के माध्यम से भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में ऐतिहासिक "यूरोपियन मोमेंट " का समावेश करें ।

लोक सभा अध्यक्ष ने प्रेसीडेंट ब्रैक और प्रेसीडेंट डीफ्रेन को भारत आने का निमंत्रण दिया ।

लोक सभा अध्यक्ष ने कल बिलरिक (ऐन्टवर्प के निकट) में ऐन्टवर्प जैन मंदिर की यात्रा भी की । बेल्जियम के जैन समुदाय ने इस मंदिर का निर्माण कराया है जो यूरोप में अपनी तरह का सबसे बड़ा मंदिर है और जैन धर्म की समृद्ध परंपराओं की झलक प्रस्तुत करता है । यह मंदिर यह जानने का भी महत्वपूर्ण स्रोत है कि जैन किस प्रकार विगत वर्षों में ऐन्टवर्प में बसे और किस प्रकार उन्होंने अपनी परंपराओं को जीवित रखा । मुख्य रूप से ऐन्टवर्प और भारत में रहने वाले जैन हीरा व्यापारियों द्वारा वित्तपोषित यह मंदिर जैन समुदाय के सदस्यों के एक संघ "जैन कल्चरल सेंटर आफ ऐन्टवर्प " (ऐन्टवर्प जैन सांस्कृतिक केन्द्र) के तत्वावधान में बनाया गया था ।